×स्मृति× रात्रि क्लास 15-6-68 ओमशान्ति सृष्टि चक्र याद है?

शिव बाबा शिव बाबा तो सभी कहते हैं। यहां बाप बैठे हैं। समझते हैं हमको शिव बाबा पढ़ा रहे हैं। पढ़ाई में, याद में की यात्रा भी आ जाती है। इसलिए सेकण्ड में जीवनमुक्ति गाया हुआ है। जीवन मुक्ति तो मिलनी ही है। पुरुषार्थ कर ऊंच पद पाना है। बच्चे यह तो जानते हैं हम अपनी बादशाही तनमन धन से स्थापन कर रहे हैं। तन भी जरूर चाहिए। आत्मा में मनबुद्धि है ही और धन। धन इतना काम नहीं देगा हां चित्र आद बनाते हैं। शिव बाबा तो दाता है। वह क्या करेंगे। कर्तव्य कराते हैं ऐसे2 सेन्टर खोलो। खूब पुरुषार्थ करना है। इतना पुरुषार्थ और कोई मनुष्य नहीं करता। तुम जितना करते हो। जानते हो हम आदी सनातन देवीदेवता धर्म की सेपलिंग लगा रहे हैं। देवता धर्म कोई है नहीं। सिर्फ चित्र है। शास्त्र है परन्तु उनको पता नहीं है गीता आदी सनातन देवी-देवता धर्म का शास्त्र है। तुच्छ बुधि हो गये हैं। इसलिए भारत के लिए कहा जाता है* पत्थर बुधि और पारस बुधि। तो बच्चों को बहुत खुशी होनी चाहिए। बाबा आये हुये हैं जो बैठ हमको पढ़ाते हैं। तो कितना ऐसे टीचर को याद करना चाहिए। जो अच्छा इम्तहान आद पास करते हैं तो टीचर को सौगात आद देते हैं। वह है लौकिक यह है पारलौकिक। तो टीचर को तो बहुत याद करना चाहिए। बहुत ही अन्दर में खुशी होनी चाहिए। बाब हमको ऐसा बना रहे हैं। अभी बच्चे जानते हैं। वह गीता पढ़ते हैं परन्तु दिल से बात लगती नहीं। अभी तुमको दिल से लगती है। बाबा हमको पढ़ाते हैं यह याद रहे तो भी खुशी का पारा न रहे। जानते हो शिव बाबा हमको पढ़ाते हैं। ब्रह्मा भी पढ़ रहे हैं। जिसके हम एडाप्टेड चिल्ड्रेन्स हैं। भगवान पढ़ाते हैं यह याद करो तो यह भी मन्मनाभव का काम दे सकते हैं। बाबा पढ़ाते हैं तो याद किया ना। इससे भी विकर्म विनाश होंगे। यह अन्तिम जन्म है बाबा आये हैं साथ में घर ले जावेंगे। और कोई समझा न सकेंगे बाबा अपने परमधाम शान्तिधाम ले जावेंगे नई बात थोड़े ही है। बाबा पढ़ाते हैं फिर नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार अपने राजधानी में राज्य पा लेंगे। पढ़ाई से ही हम नई दुनिया के मालिक बनते हैं। यह तो जो बाबा समझाते हैं वह भी भूल जाते हैं। यह याद रहे तो भी सतोप्रधान बन जाये। याद से ही सतोप्रधान बनेंगे। यह चिन्तन रहे। बाप कहते हैं भल धंधा आद भी करो नहीं तो शरीर निर्वाह कैसे चलेगा। समझो बाबा भगवान हमको पढ़ाते हैं तो यह भी याद हुई ना। बाबा 84 का चक्र समझाते हैं। टीचर को भी समझाओ मनुष्य से देवता बनना माना कैरेक्टर्स सुधारना है। बाप आये हैं उनको यादकरो। दैवी गुण धारण करो। आजकल सब से लड़ाई-झगड़ा स्टुडन्टस का है। जिसको ही न्यु वर्ल्ड समझते हैं। एक की भूल सारी दुनिया में। भारत की ही भूल है। अविनाशी खण्ड भी भारत ही है ना। तो भारत-वासियों की ही भूल है परन्तु यह अपने को अकलमन्द समझते हैं। पहले2 बाप का परिचय देने से फिर कुछ पूछेंगे नहीं। हम श्रीमत की बात करते हैं। तुम मनुष्य मत पर बात करते हो। हम मनुष्यमत पर तो जन्म जन्मान्तर चले हैं। भगवान तो टीचर ठहरा ना। बाप पढ़ाते हैं नई दुनिया के लिए तो विनाश भी जरूर होगा ना। यह है ही तमोप्रधान दुनिया। बहुत प्यार से समझाना है। बाबा ऐसे ही कहते हैं। जो बाप टीचर गुरु भी है। महिमा में ही तुम किसको पानी कर देंगे। बाप कहते हैं सतोप्रधान बनना है तो बाप को याद करो। तो आत्मा=सब शान्त रहेगी। बाप नजर से निहाल करते हैं। अशरीरी भव। आत्माभिमानी बन हमको याद करो। पुरानी सृष्टि का विनाश होना ही है। सारी तैयारी है विनाश के लिए। ड्रामाअनुसार तुम्हारी देरी है। जो याद में नहीं रह सकते हो। कर्मातीत अवस्था न हुये हैं। पैगाम सभी को नहीं पहुंचाया है। तुम हर्ड-मैसेन्जर हो। गाते हैं ना अहो प्रभु तेरी शिव=सीसी लीला। बाप आया इतना दिन समझाया। पढ़ाया। फिर देरी हो जाती है। बहुत हंगामा दरबदर हो पड़ते हैं। बोलो हम श्रीमत पर विश्व में शान्ति स्थापन कर रहे हैं। स्वर्ग में अशान्ति होती ही नहीं। श्रीमत है। तुम जो सवाल पूछते हो मनुष्य मत पर। हमको ईश्वरीय मिलता है। मनुष्यमत का कुछ सुनो ही नहीं। देवी मत के लिए ऐसे नहीं कहेंगे। देवी मत पर तो तुम हो। अच्छा बच्चों को गुडनाईट और नमस्ते।